BHARTIYA VIDYA MANDIR SENIOR SECONDARY SCHOOL
SECTOR-39, CHANDIGARH ROAD, LUDHIANA
SYLLABUS OF CLASS: XI - MUSIC (2026-27)

Sequece	Month	Topic	Pedagogy	E - Content	Learning Outcomes :-
1.	APRIL	परिभाषाएँ : नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, अलंकार, संगीत संक्षिप्त वर्णन: ध्रुपद, ख्याल, तराना! जीवन परिचय : तानसेन, भातखण्डे जी	विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की ध्वनियाँ सुनाकर नाद की पहचान करवाई जाए। संगीत वाद्ययंत्रों तथा मानवीय आवाज़ के माध्यम से उदाहरण दिए जाएँ।	https://youtu.be/ABV1qMnuhas?si=n8F8hrJ-HI6Ru8XE	नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक अलंकार की परिभाषाएं दे सकेंगे। ध्रुपद, ख्याल ,तराना का तुलनात्मक वर्णन कर सकेंगे । तानसेन जी, विष्णु नारायण भातखंडे जी के जीवन एवं योगदान को समझ कर लिख सकेंगे तालों को ठाह एवं दुगुन में सही ढंग से प्रस्तुत कर सकेंगे
2.	May	राग परिचय : बिहाग ताल परिचय : तीनताल, एकताल (ठाह व दुगुन सहित) नाट्य शास्त्र का संक्षिप्त विवरण	राग के अभ्यास से शुद्ध और तीव्र स्वरों की पहचान मजबूत होती है अलाप तान और बंदिश सीखने से कल्पना शक्ति बढ़ती है संगीत में लय और समय का आधार होता है पेडागोजी ताल का अध्ययन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है लाल की गणना से गणितीय सोच का विकास होता है	https://youtu.be/WjEnU28wz5s?si=2bzElEFr5YYHL_va	विद्यार्थी राग विह।ग के बारे में जानेंगे लिखित रूप में और गायन रूप में दोनों में इसका अभ्यास करेगे और गायन में भी तालों की लयकारी परिचय सहित हाथ पर करने का अभ्यास करेंगे । नाटय शास्त्र ग्रंथ का संक्षिप्त इतिहास जानेंगे।

3.	June	SUMMER BREAK			SUMMER BREAK
4.	July	नाद , श्रुति ,स्वर ,सप्तक ,अलंकार ,संगीत, थॉट ,जाती, लय संक्षिप्त विवरण :-मार्गी , देसी संगीत ध्रुपद, ख्याल, तराना। मतंग बृहदेशी।तानपुरे का संक्षिप्त विवरण। जीवन परिचय:- पंडित विष्णु दिगंबर पुरस्कार जी!	मार्गी संगीत प्राचीन भारतीय शास्त्रीय संगीत का संबंध धार्मिक आध्यात्मिक और नाट्य परंपराओं से था इसका उल्लेख नताशा समय भी मिलता है भारतीय संस्कृति और परंपरा का ज्ञान मिलता है स्वर और लेख की शुद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता है जबकि देसी संगीत लोक जीवन और क्षेत्रीय परंपराओं से जुड़ा संगीत है यह सरल भावपूर्ण और जन सामान्य के निकट होता है ध्रुपद हिंदुस्तानी संगीत के सबसे प्राचीन और गंभीर गायन शैली है ख्याल गायन ध्रुपद की तुलना में अधिक लचीला और कल्पनाशील माना जाता है	https://youtu.be/13CSKU7JKng?si=jKYPxV-u-aluKyHg	देसी और मार्गी संगीत क्या है? उसका प्रयोग कहां-कहां किया जाताहै ?/कैसे किया जाता है, ध्रुपद, ख्याल ,तराना यह गायन शैलियों कैसे गाई जाती है यह सब विद्यार्थी सीखेंगे और संगीत सम्राट तानसेन और भातखंडे जी के जीवन परिचय के बारे में जानेंगे और मतंग जी के बृहदेशहि ग्रंथ का भी आकलन करेंगे। वाद्य तानपुरे के बारे में संक्षिप्त रूप में जानेंगे।
5.	August	राग परिचय विहाग, भीमपलासी ,स्वरलिपि सहित गायन और लिखित में। ताल परिचय:- तीन ताल ,एक ताल।	रागों के अभ्यास से विद्यार्थियों में गायन कुशलता बढ़ती है और उन्हें शास्त्रीय संगीत का ज्ञान प्राप्त होता है लाल की जानकारी मिलती है ताल के	https://youtube.com/shorts/LjdFkf_7xQ4?si=LxjyQs8nnIkqWuqa	राग परिचय के द्वारा विद्यार्थी रागों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और स्वरलिपि का क्या महत्व है ?स्वरलिपि क्यों बनाई जाती है? इसका भी

		परिचय व लयकारी सहित। राग विस्तार राग पहचानना।	बारे में ताल का नाम ताल को कैसे प्रयोग किया जाता है इन सभी बातों का विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त होता है।		वे अध्ययन करेंगे। स्वर समूह के द्वारा राग पहचाना यह जानकारी भी वे प्राप्त करेंगे।
6.	September	ऊपर दिए गए पाठ्यक्रम का अभ्यास व परीक्षा।			अभ्यास द्वारा परीक्षा की तैयारी।
7.	October	सप्तक, थाट ,जाती ,लय ,निबंध व अनिबदध गान। राग परिचय विह।ग ,भीमपलासी, भैरवी। ताल परिचय;- सुलताल। ऊपर दिए गए तीनों जीवन परिचय। स्वरलिपियां द्रुत ख्याल किसी एक राग मे। राग पहचानना, राग विस्तार।	सप्तक थाट जाती लय यह सभी शास्त्रीय संगीत के अभिन्न अंग है शास्त्रीय संगीत में निपुणता हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को इन सभी की जानकारी अति आवश्यक रूप से होनी अनिवार्य है और इसी से उनके गायन में निखार आता है, गायन तथा लिखित दोनों ही रूपों में उनकी जानकारी विद्यार्थियों को जरूर लेनी चाहिए	https://youtu.be/H_DbFWMXr7c?si=57K2PnbR4h6N3Yv8	सप्तक थाट, जाती, लय, तथा निबंध और अनिबद्ध गायन के बारे में विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करेंगे। राग का व्यावहारिक रूप में और लिखित रूप में अभ्यास करेंगे स्वरलिपियों का भी और गायन में भी संगीत कारों के जीवन काल का अध्ययन करेंगे तथा उनकी उपलब्धियां के बारे में जानेंगे।
8.	November	उपरोक्त लिखित सारे पाठ्यक्रम का अभ्यास लिखित रूप में भी और व्यावहारिक रूप में भी परीक्षा की तैयारी के लिए।			परीक्षा से पूर्व सारे पाठ्यक्रम का अभ्यास

	Decembe r	Practice of all syllabus			Practice of all syllabus